

Obsah

| | |
|--|----|
| Pro začátek..... | 7 |
| Náš dům čp. 1..... | 9 |
| Tonda..... | 21 |
| Parnas prostituce aneb Kopulační koutek..... | 24 |
| Epec..... | 27 |
| Milionárka..... | 30 |
| Profesor Roh..... | 32 |
| Žlutá ponorka..... | 35 |
| Tři hospody jednou ranou..... | 37 |
| Hanácký obr..... | 39 |
| Kokrhačka..... | 41 |
| Meteorolog Mrázek..... | 43 |
| Kočí macecha..... | 45 |
| Hřbitovní přechod pro chodce..... | 47 |
| Donát..... | 48 |
| Cidič stok..... | 50 |
| Bohatá žebračka..... | 53 |
| Bubačka..... | 55 |
| Ťulin..... | 57 |
| Rybář..... | 59 |
| Bombardačka..... | 61 |

| | |
|--|-----|
| O velkém balvanu..... | 63 |
| Venci..... | 65 |
| Spolek hanáckých répalů | 67 |
| Dlažební kámen 45..... | 68 |
| Ponorková nemoc..... | 69 |
| Vépadáci | 71 |
| Terezáci | 95 |
| O té velké patálii s pokladem | 97 |
| Fafónek..... | 100 |
| Jedenáctka panoptikálních postaviček, každá jednou větou | 118 |
| Několik olomouckých kuriozit, každá jednou větou | 120 |
| Na pozoruhodnosti s dalekohledem | 121 |